विषय सूची

उद्देशिका

टीएचडीसीआईएल पर्यावरण नीति

- उद्देश्य
- नीति अभिकथन (मिशन)
- नीति का दायरा
- सिद्धांत
- नीति
- हितधारकों के साथ समन्वय
- क्षमता निर्माण
- संस्थागत ढांचा
- नीति का कार्यान्वयन
- व्यय के साथ जोड़ना
- नीति समीक्षा चक्र

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड

पर्यावरण नीति

उद्देशिका

अभिदृष्टि

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड का लक्ष्य सतत विद्युत उत्पादन में विश्व में अग्रणी बनना है।

उद्देश्य

कार्बन-न्यूट्रल विद्युत उत्पादक का लक्ष्य हासिल करना

पर्यावरण प्रबंधन में उच्चतम संभव मानकों को प्राप्त करने के लिए, प्रक्रियाओं में निरंतर सुधार और नवीन पर्यावरण-अनुकूल प्रौद्योगिकियों, हितधारक सहभागिता और पर्यावरणीय नियमो के अनुपालन के माध्यम से पारिस्थितिक दुष्प्रभावों को कम करना और संसाधनों का अधिकतम उपयोग करना।

सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करना।

मूल्य

हम पर्यावरणीय प्रबंधन के महत्व को भलीभाँति जानते हैं एवं पर्यावरण पर अपनी गतिविधियों के प्रभाव को कम करने का प्रयास करते हैं। इसलिए, हमें :

1. **विधिक मांगो का अनुपालन:** हम अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं को स्थापित करेंगे एवं उनका पालन करेंगे और पर्यावरण से संबंधित सभी लागू विधिक मांगो, नियम एवं विनियमों का अनुपालन करेंगे।
2. **सक्रिय दृष्टिकोण अपनाएंगे:** हम अपनी निर्णय लेने की प्रक्रिया में पर्यावरणीय विचारों के प्रति एक सक्रिय दृष्टिकोण अपनाएंगे। हम अपने व्यावसायिक निर्णयों में पर्यावरणीय पहलुओं को प्रमुख महत्व प्रदान करेंगे।
3. **नवाचार एवं पर्यावरण-अनुकूल प्रौद्योगिकियों को अपनाना:** हम अपने प्रचालन के क्षेत्र में जलवायु के संतुलन को सुनिश्चित करने वाली पर्यावरण-अनुकूल प्रौद्योगिकियों को नया रूप देने और अपनाने के लिए अनुसंधान और विकास गतिविधियां संचालित करेंगे।
4. **संसाधनों का संरक्षण एवं अपशिष्ट में कमी लाना:** हम संसाधनों के संरक्षण, अपशिष्ट में कमी लाने और अपनी गतिविधियों से जुड़े पर्यावरणीय जोखिमों को कम करने का प्रयास करेंगे। हम अपने पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाएंगे।
5. **अपनी पर्यावरण प्रबंधन प्रणालियों में निरंतर सुधार:** हम अपनी पर्यावरण प्रबंधन प्रणालियों की समीक्षा करेंगे और उनमें निरंतर सुधार करेंगे तथा उन्हें अपनी व्यावसायिक प्रक्रियाओं के साथ एकीकृत करेंगे।
6. **हितधारकों से संवाद और उनका सशक्तिकरण:** हम अपनी पर्यावरण नीति को अपने सभी हितधारकों के साथ साझा करेंगे तथा उन्हें इस नीति में निहित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाएंगे।

विभागाध्यक्ष (सामाजिक एवं पर्यावरण)

टीएचडीसीआईएल

पर्यावरण नीति

I. उद्देश्य

इस दस्तावेज़ का उद्देश्य सतत विद्युत उत्पादन में विश्व में अग्रणी बनने के साथ-साथ पर्यावरणीय अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करना है।

II. नीति अभिकथन (मिशन)

पर्यावरण प्रबंधन में विश्व की सर्वश्रेष्ठ विद्युत फर्म बनना,

कार्बन-न्यूट्रल विद्युत उत्पादक के लक्ष्य को प्राप्त करना।

पर्यावरण प्रबंधन में उच्चतम संभव मानकों को प्राप्त करने के लिए, प्रक्रियाओं में निरंतर सुधार और नवीन पर्यावरण-अनुकूल प्रौद्योगिकियों, हितधारक सहभागिता और पर्यावरणीय नियमो के अनुपालन के माध्यम से पारिस्थितिक दुष्प्रभावों को कम करना और संसाधनों का अधिकतम उपयोग करना।

III. नीति का दायरा

यह नीति टीएचडीसीआईएल की सभी इकाइयों, परियोजनाओं, कार्यालयों और हितधारकों पर लागू होती है एवं टीएचडीसीआईएल की वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने से संबंधित पर्यावरणीय मुद्दों के लिए मार्गदर्शक के रूप में कार्य करती है।

IV. सिद्धांत

पर्यावरण प्रबंधन के मूल सिद्धांत जो इस नीति का आधार बनते हैं:

1. **एहतियाती सिद्धांत:** पर्यावरणीय क्षति का अनुमान लगाना एवं उससे बचने तथा पर्यावरणीय प्रभावों के जोखिमों का प्रबंधन करने के लिए पर्यावरणीय रूप से सकारात्मक डिजाइन रणनीतियों को अपनाना।

2. **जिम्मेदारी का सिद्धांत:** पर्यावरण की सुरक्षा सभी हितधारकों की सामूहिक जिम्मेदारी है।

3. **आनुपातिकता का सिद्धांत:** आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के मध्य संतुलन बनाना।

4. **भागीदारी का सिद्धांत:** प्रत्येक हितधारक को निर्णय लेने एवं पर्यावरण में सुधार तथा संरक्षणात्मक गतिविधियों में भाग लेना आवश्यक है।

5. **प्रभावशीलता और दक्षता का सिद्धांत:** पर्यावरणीय प्रबंधन समस्याओं के समाधान के लिए नीतियों, नियमों और प्रक्रियाओं को विकसित और कार्यान्वित करके संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग करना एवं पर्यावरणीय लागत को कम करना।

6. **प्रदूषणकर्ता भुगतान सिद्धांत:** प्रदूषण की लागत निर्धारित कर प्रदूषण को कम करना, साथ ही प्रदूषणकर्ता को पर्यावरणीय लागत वहन करने के लिए जुर्माना भी देना होगा।

v. नीति

राष्ट्रीय पर्यावरण मानदंडों के अनुपालन के साथ-साथ गतिशील वातावरण में परिवर्तनों को आत्मसात करने के लिए, टीएचडीसीआईएल ने पहले के पर्यावरण नीति दस्तावेज़ संख्या टीएचडीसी/ईपी/संशोधन 06 दिनांक 10.06.2020 के स्थान पर इस पर्यावरण नीति (2023) को अपनाया है।

यह नीति पर्यावरण प्रबंधन के लिए अपने संबंधित संसाधनों और शक्तियों का उपयोग करने में सभी हितधारकों, यानी सार्वजनिक एजेंसियों, स्थानीय समुदायों, शैक्षणिक और वैज्ञानिक संस्थानों, निवेश समुदाय और अंतर्राष्ट्रीय विकास भागीदारों को प्रोत्साहित करने का भी प्रयास करती है।

टीएचडीसीआईएल उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देगा और पर्यावरण संरक्षण, जलवायु-हितेषी पर्यावरण ढांचे और चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के क्षेत्र में सतत सुधार के लिए अपनी सीमाओं में विस्तार करेगा:

1. वैज्ञानिक और तकनीकी गतिविधियों के माध्यम से उत्कृष्टता को बढ़ावा देना और पर्यावरण और प्रबंधन में सहयोगात्मक अनुसंधान के लिए साझेदारी को प्रोत्साहित करना।
2. कचरे को कम करने, पुन: उपयोग करने, पुनर्चक्रण करने, पुनर्प्राप्त करने, सुरक्षित रूप से कचरे का निपटान करने और चक्रीय अर्थव्यवस्था के अवसरों की खोज करके अपशिष्ट प्रबंधन का नेतृत्व करना।
3. निर्णय लेने में पर्यावरणीय विचारों के प्रति सक्रिय दृष्टिकोण अपनाना और पर्यावरण प्रबंधन प्रौद्योगिकियों और प्रथाओं का उपयोग करके पर्यावरणीय प्रभावों का प्रबंधन करना ।
4. क्षमता निर्माण और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के माध्यम से जोखिम प्रबंधन समिति द्वारा पहचाने गए जोखिमों का प्रबंधन करना और पर्यावरण संरक्षण निष्पादन का मूल्यांकन करना।
5. संसाधनों, विशेष रूप से गैर-नवीकरणीय संसाधनों का कुशल उपयोग सुनिश्चित करना और पर्यावरणीय रूप से जिम्मेदार तरीके से गतिविधियों को अंजाम देना।
6. पर्यावरण हितेषी और ऊर्जा-कुशल इनपुट को अपनाना, पर्यावरणीय मुद्दों के लिए नवीन तकनीकी समाधान प्रदान करना और सतत विकास पहल के तहत पर्यावरण की दृष्टि से लाभकारी परियोजनाओं का विकास करना।
7. हरित खरीद सिद्धांतों को अपनाना और राख निपटान, पुनर्वास और पुनर्स्थापन, सामुदायिक विकास, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और सतत विकास के लिए अलग-अलग नीतियां बनाना और अपनाना।
8. महत्वपूर्ण संसाधनों के संरक्षण को बढ़ावा देने और जलवायु परिवर्तन के मुद्दों के समाधान के लिए व्यावसायिक गतिविधियों में पर्यावरणीय सिद्धांतों को बढ़ाना।
9. ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के लिए सक्रिय और स्वैच्छिक दृष्टिकोण अपनाना।
10. पर्यावरण और प्रबंधन में सहयोगात्मक अनुसंधान के लिए औद्योगिक और शैक्षणिक अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग करना।

VI हितधारकों के साथ समन्वय

टीएचडीसीआईएल सभी हितधारकों की पहचान करना और पर्यावरण संबंधी चिंताओं और शमन उपायों पर विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए उचित स्तरों पर उनके साथ जुड़ना जारी रखना।

VII क्षमता निर्माण

1. टीएचडीसीआईएल यह सुनिश्चित करेगा कि उसके हितधारक पर्यावरण के प्रति जागरूक हों और अपनी गतिविधियों और निर्णयों में पर्यावरणीय सिद्धांतों को एकीकृत करना।
2. कॉर्पोरेट पर्यावरण प्रबंधन समूह एक कौशल प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण ढांचा विकसित करेगा।
3. टीएचडीसीआईएल सरकारी संगठनों, गैर सरकारी संगठनों, उद्योगों, शिक्षाविदों आदि के लिए पर्यावरण प्रबंधन में प्रमुख प्रशिक्षण संस्थानों के साथ सहयोग करेगा।
4. पर्यावरण प्रबंधन में क्षेत्र का नेतृत्व करने और अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को संचालित करने के लिए एक मान्यता प्राप्त पर्यावरण प्रयोगशाला की स्थापना।
5. टीएचडीसीआईएल पर्यावरण एवं संबंधित अन्य विषयों जैसे बायोमेडिकल अपशिष्ट, नगरपालिका ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन, ईआईए, क्लीनर उत्पादन, पर्यावरण ऑडिटिंग, पर्यावरण जोखिम मूल्यांकन, वायु प्रदूषण निगरानी, नियंत्रण और मॉडलिंग, अपशिष्ट जल उपचार, पर्यावरण नीति योजना और प्रबंधन, पर्यावरण नमूनाकरण, पर्यावरण विधान, पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली, आईएसओ 14000 और आईएसओ 18000, पर्यावरण लेखांकन आदि पर क्षमता अभिवृद्धि और क्षमता विकास के लिए संरचित शैक्षणिक कार्यक्रमों का समर्थन और संचालन करना।

VII. संस्थागत ढांचा

निगम में पर्यावरण प्रणालियों के कार्यान्वयन के लिए पर्यावरण विभाग की दो स्तरीय संरचना इस प्रकार बनाई जाएगी:

1. कॉर्पोरेट पर्यावरण समूह: कॉर्पोरेट स्तर पर पर्यावरण नीति और वैधानिक अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए उचित पदानुक्रम के साथ पर्याप्त रूप से योग्य कर्मियों का समावेश।

   मुख्य प्रकार्य - पर्यावरणीय पहलुओं के संबंध में टीएचडीसीआईएल की सभी वर्तमान और आगामी परियोजनाओं की योजना बनाना, इंजीनियरिंग और निगरानी करना। संदर्भित मुद्दों पर परियोजनाओं का मार्गदर्शन करना।

2. परियोजना पर्यावरण समूह: परियोजना स्तर पर पर्यावरण नीति और वैधानिक अनुपालन का पालन सुनिश्चित करने के लिए उचित पदानुक्रम के साथ पर्याप्त रूप से योग्य कर्मियों का समावेश।

   मुख्य प्रकार्य - संबंधित परियोजना निष्पादन विभागों के माध्यम से अनुपालन सुनिश्चित करना, पर्यावरण मापदंडों की निगरानी करना, जानकारी प्राप्त करना और संकलित करना और कॉर्पोरेट पर्यावरण समूह के साथ साझा करना।

कॉर्पोरेट पर्यावरण विभाग के प्रकार्य, कर्तव्य और उत्तरदायित्व निम्न प्रकार होंगे:

1. कॉर्पोरेट पर्यावरण विभाग पर्यावरण प्रबंधन योजना के कार्यान्वयन की निगरानी करेगा। संबंधित परियोजना वातावरण और निष्पादन टीमों के माध्यम से परियोजनाओं पर वैधानिक और नियामक आवश्यकताओं का अनुपालन सुनिश्चित करेगी।
2. लागू कानूनों और नियमों की समीक्षा करना, परियोजनाओं के लिए विभिन्न मंजूरी प्राप्त करना और पर्यावरणीय पहलुओं पर अध्ययन करना।
3. निगरानी रिपोर्ट की समीक्षा करें और टीएचडीसीआईएल परियोजनाओं से संबंधित पर्यावरणीय पहलुओं पर इनपुट प्रदान करना।
4. टीएचडीसीआईएल परियोजनाओं के पर्यावरणीय पहलुओं से संबंधित मुद्दों के लिए बाहरी एजेंसियों के साथ समन्वय करना।
5. नीतियों, बीजकों, प्रस्तावों, संशोधनों, रिपोर्टों और पर्यावरण से संबंधित मुद्दों की समीक्षा करना और बाहरी एजेंसियों को इनपुट प्रदान करना।
6. टीएचडीसीआईएल परियोजनाओं के पर्यावरणीय पहलुओं के लिए उचित स्तर पर प्रशिक्षण और जनशक्ति की जरूरतों का आकलन करना, बजट आवश्यकताओं को तैयार करना और उनका आकलन करना, और प्रबंधन को पर्यावरणीय मुद्दों और अनुपालन स्थिति का मूल्यांकन करना।
7. पर्यावरण प्रबंधन में हाल की प्रगति का आकलन और संकलन करना और पर्यावरण अनुपालन की निगरानी और रिपोर्ट करने, पर्यावरण प्रबंधन और प्रदूषण नियंत्रण उपायों के कार्यान्वयन आदि के लिए मानक संचालन प्रक्रिया जारी करना।

परियोजना पर्यावरण विभाग के प्रकार्य, कर्तव्य और जिम्मेदारियाँ इस प्रकार होंगी:

1. निष्पादन विभागों या ठेकेदारों के माध्यम से पर्यावरण प्रबंधन योजना को लागू करने के लिए प्रभारी अभियंता और कॉर्पोरेट पर्यावरण विभाग की ओर से कार्य करना।
2. पर्यावरण से संबंधित सभी कार्यों को निष्पादित करना जिसके लिए टीएचडीसीआईएल जिम्मेदार है और अन्य सौंपे गए कार्य।
3. ईएमपी कार्यों की नियमित निगरानी करना, डेटा और रिकॉर्ड आदि बनाए रखना।
4. आवश्यकतानुसार इनपुट प्रदान करना, नियमित अंतराल पर कॉर्पोरेट पर्यावरण विभाग द्वारा अंतिम रूप देने के लिए मसौदा अनुपालन रिपोर्ट तैयार करना और साझा करनार।

IX नीति का कार्यान्वयन

नीति में अपेक्षा की गई है कि निगम के व्यवसाय संचालन के तहत सभी गतिविधियों को न्यूनतम पर्यावरणीय प्रभाव के साथ सतत और पर्यावरण के अनुकूल तरीके से निष्पादित किया जाए।

पर्यावरण नीति के कार्यान्वयन के लिए निम्नलिखित अधिकारी स्वतंत्र रूप से जिम्मेदार होंगे:

क्र. स.	अधिकारी/एजेंसी	उत्तरदायित्व
1	प्रकार्यात्मक निदेशक	नीति का संरक्षक
2	कॉर्पोरेट पर्यावरण विभाग के प्रमुख(अपर महाप्रबंधक के पद से नीचे नहीं)	निगम के भीतर नीति का समग्र कार्यान्वयन, नीति को अद्यतन करना, एसओपी जारी करना, पर्यावरणीय गतिविधियों की निगरानी, कार्यान्वयन की निगरानी, अनुपालन रिपोर्टिंग आदि।
3	परियोजना प्रमुख (अपर महाप्रबंधक के पद से नीचे नहीं)	परियोजना स्तर पर पर्यावरणीय गतिविधियों के क्रियान्वयन की समग्र जिम्मेदारी।
4	परियोजना पर्यावरण के प्रमुख (उप महाप्रबंधक के पद से नीचे नहीं)	ठेकेदारों के दायरे की गतिविधियों के कार्यान्वयन के लिए ठेकेदार और निष्पादन विभाग को निर्देश/स्पष्टीकरण जारी करना, पर्यवेक्षण और निगरानी करना। टीएचडीसीआईएल के दायरे की पर्यावरण संबंधी गतिविधियों का निष्पादन। पर्यावरण से संबंधित मामलों में कॉर्पोरेट पर्यावरण विभाग को समय पर इनपुट और सहायता प्रदान करना।
5	विभागाध्यक्ष (निष्पादन) (उप महाप्रबंधक के पद से नीचे नहीं)	अपने संबंधित विभागों/स्थलों पर स्वयं या ठेकेदारों के माध्यम से संबंधित पर्यावरणीय गतिविधियों का निष्पादन/अनुपालन सुनिश्चित करना। ठेकेदारों के दायरे की गतिविधियों के कार्यान्वयन के लिए ठेकेदार एवं विभाग के संबंधित कार्यपालक को निर्देश / स्पष्टीकरण जारी करना, पर्यवेक्षण एवं निगरानी करना।
6	ठेकेदार और उप ठेकेदार	संविदा में किये गये पर्यावरण संबंधी प्रावधानों का अनुपालन करना । टीएचडीसीआईएल की पर्यावरण नीति और उसमें दिए गए निर्देशों का अनुपालन करना। टीएचडीसीआईएल द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार एवं आवश्यक होने पर जानकारी/इनपुट प्रदान करना।

7	कॉर्पोरेट और परियोजना में संविदा विभाग के प्रमुख	कॉर्पोरेट में संविदा विभाग या परियोजना में संविदा विभाग, जैसा भी मामला हो, टीएचडीसीआईएल की पर्यावरण नीति के अनुपालन में कॉर्पोरेट पर्यावरण विभाग के प्रमुख के साथ-साथ परियोजना के संबंधित प्रमुख से विमर्श कर पर्यावरण प्रबंधन पर एक अलग अध्याय के साथ-साथ पर्यावरण संबंधी गतिविधियों की प्रगति को संबंधित भुगतान से संबंधित उचित खंडों को शामिल कर, सुनिश्चित करना। ठेकेदार द्वारा टीएचडीसीआईएल पर्यावरण नीति के अनुपालन के लिए एक विशिष्ट खंड संविदा में शामिल करना।
8	परिकल्प या ऐसे विभाग के प्रमुख जिसे एक नई परियोजना /योजना/पर्यावरण से संबंधित अध्ययन शुरू करने/अन्वेषण/विकसित करने की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है	परियोजना की स्क्रीनिंग/स्कोपिंग के लिए टीएचडीसीआईएल द्वारा विकसित की जाने वाली प्रस्तावित नई परियोजना के विवरण को कॉर्पोरेट पर्यावरण विभाग को सूचित किया जाएगा ताकि पर्यावरणीय पहलुओं के साथ-साथ आवश्यक मंजूरी/अनुमतियां/पीएफआर/डीपीआर आदि की तैयारी की जा सके।

X व्यय के साथ जोड़ना

टीएचडीसीआईएल की पर्यावरण नीति का उद्देश्य व्यवस्थित, सुचारू और समयबद्ध अनुपालन के लिए भौतिक और वित्तीय रूप से निगरानी की जाने वाली सभी पर्यावरण संबंधी गतिविधियों को कवर करना है।

पर्यावरणीय गतिविधियाँ कॉर्पोरेट पर्यावरण विभाग और संबंधित परियोजना के पर्यावरण विभाग द्वारा सीधे या संबंधित राज्य/केंद्र सरकार/अधिकृत एजेंसियों के माध्यम से जल ग्रहण क्षेत्र उपचार, प्रतिपूरक वनीकरण, मत्स्य पालन, विभिन्न पर्यावरण प्रदूषण निगरानी, तीसरे पक्ष की प्रगति निगरानी, अध्ययन, परामर्श, जैव विविधता और प्रदूषण उपशमन से संबंधित कार्य, प्रशिक्षण आदि के संदर्भ में कार्यान्वित की जाती हैं। इसके अलावा, परियोजना/संयंत्र पैकेज और विनियामक आवश्यकताएं परियोजना का भाग होने के कारण जैव विविधता संरक्षण, प्रदूषण उपशमन, व्यावसायिक स्वास्थ्य, पर्यावरण सुरक्षा आदि के लिए विभिन्न पर्यावरणीय गतिविधियों का कार्यान्वयन भी मुख्य ठेकेदारों के दायरे में आता है।

पर्यावरणीय कार्यों के प्रभावी कार्यान्वयन और निगरानी के लिए, इकाइयों/परियोजनाओं/विभागों द्वारा की की जा रही या की जाने वाली सभी पर्यावरण संबंधी गतिविधियों को पर्यावरण नीति के साथ जोड़ने के लिए परियोजना/इकाई/विभाग के संबंधित पर्यावरण बजट हेड में दर्ज किया जाएगा। इसके बाद के निर्माण/निर्माण कार्यक्रम में पर्यावरणीय घटकों से संबंधित गतिविधियाँ भी शामिल की जाएंगी, जिनका भुगतान भी निर्माण कार्यक्रम के अनुरूप जोड़ा शामिल किया जाएगा। इसका अनुपालन परियोजना/कॉर्पोरेट पर्यावरण विभाग के प्रमुख के माध्यम से किया जाएगा।

भौतिक प्रगति के अलावा, परियोजनाओं में पर्यावरणीय गतिविधियों के निष्पादन में लगे विभाग घटक/मदवार व्यय विवरण भी प्रदान करेंगे।

संबंधित परियोजना के पर्यावरण विभाग को पर्यावरणीय गतिविधियाँ त्रैमासिक आधार पर (अप्रैल से जून, जुलाई से सितंबर, अक्टूबर से दिसंबर और जनवरी से मार्च) संबंधित तिमाही के तत्काल अगले महीने की 20 तारीख तक और परियोजना पर्यावरण विभाग को उसी महीने की 25 तारीख तक कॉर्पोरेट पर्यावरण विभाग को एक व्यापक प्रगति विवरण प्रस्तुत करेगा। इसी प्रकार, इकाइयां पर्यावरणीय गतिविधियों का घटक/मदवार विवरण सीधे संबंधित तिमाही के अगले महीने की 25 तारीख के भीतर कॉर्पोरेट पर्यावरण विभाग को प्रदान करेंगी। कॉर्पोरेट पर्यावरण विभाग तत्काल अगले महीने की अंतिम तिथि से पहले प्रभारी निदेशक के मूल्यांकन के लिए एक संचयी समेकित रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

XI नीति समीक्षा चक्र

यह पॉलिसी एक जीवंत दस्तावेज़ होगी और प्रत्येक 02 वर्ष में या कंपनी की आवश्यकताओं के अनुसार इसकी समीक्षा की जाएगी।